समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

ठाणे अस्पताल मे डॉक्टर और स्टाफ से मारपीट के आरोप मे शिवसेना (शिंदे गुट) के पार्षद रमेश म्हात्रे गिरफ्तार

Sanket Morankar Published on 08 Jul 2026

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिवली स्थित **केडीएमसी (कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका)** के शास्त्री नगर अस्पताल में डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ से कथित मारपीट के मामले में **शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट)** के पार्षद **रमेश म्हात्रे** को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार देर रात मामला दर्ज करने के बाद बुधवार को उनके आवास से उन्हें हिरासत में लिया।

यह घटना 6 जुलाई की शाम उस समय हुई, जब अस्पताल के डॉक्टरों ने नवजात शिशु के परिजनों को बताया कि अस्पताल का **नवजात गहन चिकित्सा कक्ष (NICU)** पूरी तरह भरा हुआ है और बेहतर इलाज के लिए बच्चे को दूसरे अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

बताया जा रहा है कि इसके बाद परिजनों ने पार्षद रमेश म्हात्रे से संपर्क किया। आरोप है कि वह अपने समर्थकों के साथ अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों तथा मेडिकल स्टाफ के साथ विवाद करते हुए मारपीट की। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एक महिला डॉक्टर के साथ धक्का-मुक्की और मोबाइल फोन पर हाथ मारने जैसी घटनाएं दिखाई दे रही हैं।

मारपीट में डॉक्टर **वैभव सालुंखे** के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है। घटना के बाद अस्पताल कर्मचारियों में आक्रोश देखा गया और डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे।

हालांकि, रमेश म्हात्रे ने डॉक्टर पर हमला करने के आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि उन्होंने महिला डॉक्टर पर हमला नहीं किया, बल्कि उनका ध्यान अपनी शिकायत की ओर दिलाने के लिए केवल उनके हाथ और मोबाइल फोन को हटाया था। उन्होंने यह भी कहा कि यदि डॉक्टर अपने व्यवहार के लिए माफी मांगते हैं, तो वह भी खेद व्यक्त करने पर विचार करेंगे।

फिलहाल पुलिस ने पार्षद समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, इस घटना के बाद डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.